





## महंत परिवार जांजगीर, कोरबा व छग का सदैव रहेगा ऋणी: चरणदास महंत

बाबूजी की 100वीं जयंती पर जुटे प्रदेश भर के दिग्गज

कोरबा(विश्व परिवार)। स्व. बिसाहादास महंत न सिर्फ़बांगों बांध बल्कि पृथक् छातीसगढ़ राज्य के भी स्वरूपदृष्टि थे। वे सही मायने में गांधीवादी, मानवता के पुजारी थे। उन्होंने राजनीति में गुरु, बड़े भाई और मार्गदर्शक की भूमिका निभाते हुए सभी का मार्गशीर्ण किया। आज उनके पद्धतिहास पर चलकर हम सभी छातीसगढ़ की जनता की सेवा कर रहे हैं। उन्होंने उद्घार अविभाजित मध्यप्रदेश के पूर्व मंत्री जन नेता स्व. बिसाहादास महंत की 100वीं जयंती शताब्दी समारोह के अवसर पर राजीव गांधी आडिटोरियम टीपी नगर में आयोजित कार्यक्रम के अवसर पर अतिथियों ने व्यक्त किए। पुत्र डॉ. चरणदास महंत ने कहा कि महंत परिवार जांजगीर, कोरबा व छातीसगढ़ का सदैव ऋणी रहे।

कोरबा लोकसभा की सासद श्रीमती ज्योतिसा चरणदास महंत ने कहा कि बाबूजी के पद्धतिहास



चलना मेरा धर्म है। महंत परिवार परिवार जांजगीर, कोरबा व छातीसगढ़ का सदैव ऋणी रहे।

कोरबा लोकसभा की सासद श्रीमती ज्योतिसा चरणदास महंत ने कहा कि बाबूजी के पद्धतिहास

बाबूजी के सपनों को पूरा करने पर्ति डॉ. चरणदास महंत के सहयोग से निरंतर प्रयासरत रही। इससे पहले स्वागत उद्घाटन पूर्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल ने देते हुए कहा कि कोरबा ही नहीं बरन

छातीसगढ़ के कोने-कोने में बिसाहादास महंत को चाहने वाले लोग हैं। उनके पुत्र डॉ. चरणदास महंत भी उनके रासे पर चलकर 1980 से लगातार 44 वर्षों से सेवा में लोग हुए हैं और ऐसे परिवार को

आगे बढ़ने का अवसर मिलना चाहिए। कठघोरा के पूर्व विधायक बोधराम कंवर ने कहा कि वे सही मायने में गांधीवादी और मानवता के पुजारी थे। उन्होंने हमेशा मुझे मेरे बड़े भई गणेशराम की तरह ही भूमिका निभाते रहे। बैराष्ट्र नेता राजेन्द्र तिवारी ने बिसाहादास को ध्वन तारा की संज्ञा देते हुए कहा कि वे रसाता दिवाने का काम सदैव करते रहे। धर्मजयगढ़ के विधायक लालजीत राठिया ने कहा कि पिंडिया के द्वारा बिसाहादास महंत के साथ रहा। डॉ. महंत के बारे में कहानी की तरह बताया जाता था कि उन्से राजनीति में संबंध बनाकर चलने की शिक्षा हर किसी को लेनी चाहिए। अविभाजित मध्यप्रदेश के राज्य वस्त्र निगम के चेयरमैन रहे जगदीश मेरोने कहा कि वे बिसाहादास महंत के धन का कठघोरा को आगे बढ़ाने व किसानों को समृद्ध करने के साथ रहा। उनके बौद्धिक राजनीति की व्यापक विद्युत वर्षों में लोगों को बहुत करीब रहा। ज्ञात हो कि इस साल आज दिनांक तक कुल 99 लोगों पर ओवर स्पीड वाहन चलाने पर कार्यवाही करते हुए 2 दिन में 41 प्रकरणों में लगभग कुल 47000 रुपए वसूले के साथ-साथ उनका लाइसेंस निलंबन की कार्यवाही भी किया जा रहा है। ज्ञात हो कि इस साल आज दिनांक तक कुल 99 लोगों पर ओवर स्पीड वाहन चलाने पर कार्यवाही की गई है जिसमें 123000 रुपए का समन शुल्क जमा कराया गया है। कोरबा पुलिस के अधिकारी एवं कर्मचारियों के द्वारा लगातार हो रहे एक्सीडेंट में कमी लाने के लिए यह विशेष अधिकारी को चलाया गया, अधिकारी के तहत वाहनों को चेक किया गया और उनकी पीड़ियाँ को बहुत करीब से देखा।

## दीपका क्षेत्रातंगत सुने मकान में चोरी करने वाले चोर चढ़े पुलिस के हृते

चोरी का पिंड, एलईडी टीवी  
वासिंग मध्यन जाप



निवासी पंजक कुमार यादव ने लेकर अपने पैतृक गांव गए हुए रिपोर्ट दर्ज करते हुए बताया था। इस दौरान मकान में ताला लगा दिया था।

किंतु दूसरे दिन भी लोकसभा की सामने आयी थी।

कोरबा(विश्व परिवार)। प्रगतिनाम दीपका में एक सुने मकान का ताला तोड़ कर अज्ञात चोरों ने घेरू समान की चोरी कर ली थी। मामले में पुलिस ने एक आरोपित व दो खरीदारों को गिरफ्तार कर चोरी का सामान बरामद किया। घटना में शामिल एक आरोपित परार भी। आरोपित के पकड़े जाने के बाद पुलिस ने दो माह चोरी का सामान दर्ज किया। दीपका थाना में प्रगतिनाम

कोरबा(विश्व परिवार)। प्रगतिनाम दीपका में एक सुने मकान का ताला तोड़ कर अज्ञात चोरों ने घेरू समान की चोरी कर ली थी। मामले में पुलिस ने अज्ञात चोर के चिरूद्ध धारा 457, 380 के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचन में लिया। इसी तरह एक प्रगतिनाम दीपका के ही निवासी जितेंद्र कुमार दुबे भी 13 से 25 जनवरी तक छुट्टी में गए थे, इस दौरान उनके मकान के पीछे दरवाजे को तोड़ कर अज्ञात चोर अंदर दरवाजे से बासिग मरीन, माईको औरन के बारे में घेरू समान चोरी कर लिया था।

कोरबा(विश्व परिवार)। प्रगतिनाम दीपका में एक सुने मकान का ताला तोड़ कर अज्ञात चोरों ने घेरू समान की चोरी कर ली थी। मामले में पुलिस ने अज्ञात चोर के चिरूद्ध धारा 457, 380 के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचन में लिया। इसी तरह एक प्रगतिनाम दीपका के ही निवासी जितेंद्र कुमार दुबे भी 13 से 25 जनवरी तक छुट्टी में गए थे, इस दौरान उनके मकान के पीछे दरवाजे को तोड़ कर अज्ञात चोर अंदर दरवाजे से बासिग मरीन, माईको औरन के बारे में घेरू समान चोरी कर लिया था।

कोरबा(विश्व परिवार)। प्रगतिनाम दीपका में एक सुने मकान का ताला तोड़ कर अज्ञात चोरों ने घेरू समान की चोरी कर ली थी। मामले में पुलिस ने एक आरोपित व दो खरीदारों को गिरफ्तार कर चोरी का सामान बरामद किया। घटना में शामिल एक आरोपित परार भी। आरोपित के पकड़े जाने के बाद पुलिस ने दो माह चोरी का सामान दर्ज किया। दीपका थाना में प्रगतिनाम

कोरबा(विश्व परिवार)। प्रगतिनाम दीपका में एक सुने मकान का ताला तोड़ कर अज्ञात चोरों ने घेरू समान की चोरी कर ली थी। मामले में पुलिस ने एक आरोपित व दो खरीदारों को गिरफ्तार कर चोरी का सामान बरामद किया। घटना में शामिल एक आरोपित परार भी। आरोपित के पकड़े जाने के बाद पुलिस ने दो माह चोरी का सामान दर्ज किया। दीपका थाना में प्रगतिनाम

कोरबा(विश्व परिवार)। प्रगतिनाम दीपका में एक सुने मकान का ताला तोड़ कर अज्ञात चोरों ने घेरू समान की चोरी कर ली थी। मामले में पुलिस ने एक आरोपित व दो खरीदारों को गिरफ्तार कर चोरी का सामान बरामद किया। घटना में शामिल एक आरोपित परार भी। आरोपित के पकड़े जाने के बाद पुलिस ने दो माह चोरी का सामान दर्ज किया। दीपका थाना में प्रगतिनाम

कोरबा(विश्व परिवार)। प्रगतिनाम दीपका में एक सुने मकान का ताला तोड़ कर अज्ञात चोरों ने घेरू समान की चोरी कर ली थी। मामले में पुलिस ने एक आरोपित व दो खरीदारों को गिरफ्तार कर चोरी का सामान बरामद किया। घटना में शामिल एक आरोपित परार भी। आरोपित के पकड़े जाने के बाद पुलिस ने दो माह चोरी का सामान दर्ज किया। दीपका थाना में प्रगतिनाम

कोरबा(विश्व परिवार)। प्रगतिनाम दीपका में एक सुने मकान का ताला तोड़ कर अज्ञात चोरों ने घेरू समान की चोरी कर ली थी। मामले में पुलिस ने एक आरोपित व दो खरीदारों को गिरफ्तार कर चोरी का सामान बरामद किया। घटना में शामिल एक आरोपित परार भी। आरोपित के पकड़े जाने के बाद पुलिस ने दो माह चोरी का सामान दर्ज किया। दीपका थाना में प्रगतिनाम

कोरबा(विश्व परिवार)। प्रगतिनाम दीपका में एक सुने मकान का ताला तोड़ कर अज्ञात चोरों ने घेरू समान की चोरी कर ली थी। मामले में पुलिस ने एक आरोपित व दो खरीदारों को गिरफ्तार कर चोरी का सामान बरामद किया। घटना में शामिल एक आरोपित परार भी। आरोपित के पकड़े जाने के बाद पुलिस ने दो माह चोरी का सामान दर्ज किया। दीपका थाना में प्रगतिनाम

कोरबा(विश्व परिवार)। प्रगतिनाम दीपका में एक सुने मकान का ताला तोड़ कर अज्ञात चोरों ने घेरू समान की चोरी कर ली थी। मामले में पुलिस ने एक आरोपित व दो खरीदारों को गिरफ्तार कर चोरी का सामान बरामद किया। घटना में शामिल एक आरोपित परार भी। आरोपित के पकड़े जाने के बाद पुलिस ने दो माह चोरी का सामान दर्ज किया। दीपका थाना में प्रगतिनाम

कोरबा(विश्व परिवार)। प्रगतिनाम दीपका में एक सुने मकान का ताला तोड़ कर अज्ञात चोरों ने घेरू समान की चोरी कर ली थी। मामले में पुलिस ने एक आरोपित व दो खरीदारों को गिरफ्तार कर चोरी का सामान बरामद किया। घटना में शामिल एक आरोपित परार भी। आरोपित के पकड़े जाने के बाद पुलिस ने दो माह चोरी का सामान दर्ज किया। दीपका थाना में प्रगतिनाम

कोरबा(विश्व परिवार)। प्रगतिनाम दीपका में एक सुने मकान का ताला तोड़ कर अज्ञात चोरों ने घेरू समान की चोरी कर ली थी। मामले में पुलिस ने एक आरोपित व दो खरीदारों को गिरफ्तार कर चोरी का सामान बरामद किया। घटना में शामिल एक आरोपित परार भी। आरोपित के पकड़े जाने के बाद पुलिस ने दो माह चोरी का सामान दर्ज किया। दीपका थाना में प्रगतिनाम

कोरबा(विश्व परिवार)। प्रगतिनाम दीपका में एक सुने मकान का ताला तोड़ कर अज्ञात चोरों ने घेरू समान की चोरी कर ली

# संपादकीय सरकार रूपी गोटी को उलटते-पलटते रहें

## स्टंट का रील बनान वालों के लिए कानून का भय जरूरी

सोशल मीडिया पर स्टंट का रील बनाकर अपलोड करने के लिए 36 हजार रुपये का चालान काटा गया। दिल्ली पुलिस के अनुसार आउटर रिंग रोड के एलिवेटेड फ्लाईओवर पर यह स्टंट किया गया। आरोपी कर चालक प्रदीप ढाका छञ्जलराम कॉलोनी (नंगलोई) का रहने वाला है। वायरल वीडियो में हरियाणा नंबर की सुनहरी कार सड़क पर तेज रफ्तार में संपर्कार दौड़ रही है जिसका साथी कार से बहार आकर सेलफी लेता है। इस दरम्यान पीछे कारों की लंबी कतार लगने से जाम की स्थिति बन गई। लोगों ने दिल्ली पुलिस व ट्रैफिक पुलिस को यह वीडियो टैग किया। कार से प्लास्टिक नुमा कुछ नक्ली हथियार भी बरामद किए। इससे पहले होली वाले दिन दो लड़कियों का वीडियो वायरल हुआ था जो स्कूटी पर बैठ कर एक-दूसरे को रंग लगा रही थीं। उनका नोएडा पुलिस ने कई अन्य अपराधों समेत 33 हजार रुपये का चालान किया। लड़कियों का कहना था कि इंस्टाग्राम हैंडल के लिए रोचक सामग्री बना रही थीं। एक अन्य वायरल वीडियो में बिना हैलेमट के स्कूटी पर सवार युवक के पीछे टायरैनिक का पोज बना रही लड़की गिरी थी। यह हुड़दंग केवल होली पर ही नहीं होता, बल्कि रीत्स बनाने और सोशल मीडिया पर अपनी फॉलोइंग बढ़ाने के लोभ में फूहड़, अश्लील और उदंडतापूर्ण हरकतें करने वालों की हरकतें बढ़ती ही जा रही हैं। देश में युवाओं की बहुत बड़ी संख्या है, जिनके हाथ में मोबाइल है। वे बेरोजगार हैं या रोजगार न मिलने पर हताश। उनमें भरपूर ऊर्जा है जिसका इस्तेमाल करने का उचित मार्ग उहें नहीं सूझता। दूसरे, लगातार ऐसे सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर्स के बारे में बढ़-चढ़ कर प्रचारित किया जाता है कि वे अपने चैनेल्स या पोस्ट के बूते लाखों रुपये कमा रहे हैं। कमाई के इस रास्ते को आसान मान कर वे अपने मोबाइल लेकर सड़कों पर निकल पड़ते हैं। हजारों में कोई एक होता है, जिसे इसमें सफलता मिलती है। नियम तोड़ने, कानून हाथ में लेने और जान जोखिम में डालने के नतीजों की फिक्र किए बगैर जुनूनी तौर पर यह सब देखा-देखी करने वालों की संख्या बढ़ती ही जा रही है। चालान राशि चुकाने तक में अक्षम इस तरह के लोगों के साथ ज्यादा सख्ती की जानी इसीलिए भी जरूरी है इन हरकतों को गंभीरता से लिया जा सके और कानून-व्यवस्था का डर बना रहे।

रघु ठाकुर

2024 के लोकसभा चुनाव देश के लिये विशेष महत्व और चिंता के चुनाव है। जहां एक तरफ देश का एक बौद्धिक हिस्सा चुनाव के बाद की संभावनाओं को लेकर आशंका व्यक्त कर रहा है तो वर्धी दूसरी ओर देश के ग्रामीण और आम आदमी प्रधानमंत्री के प्रति उत्साह से सराबोर हैं। विशेषतरूप राम मंदिर के निर्माण, फिर प्राण प्रतिष्ठा, फिर अबूधाबी में स्वामी नारायण मंदिर का शिलान्यास और अब बनारस की ज्ञानव्यापी और मथुरा के श्रीकृष्ण मंदिर को लेकर एक जुनूनी वातावरण जैसा है। देश के बौद्धिक जगत के एक बड़े हिस्से में जो आशंकायें हैं वह हो सकता है कुछ कि राजनैतिक प्रतिद्वंदिता की बजह से भी हों या सत्ता हासिल करने के लिये पिछले कुछ समय से जिस प्रकार के आरोप-प्रत्यारोप चुनावी बहस का आधार बनाये जाते हैं उन्हें देखते हुए इन आशंकाओं के पूर्वाग्रह होने के आरोप को भी एकदम नकारा नहीं जा सकता। परंतु कुछ समय से और विशेषतरूप मप्र, छग और राजस्थान के विधानसभा चुनाव में भाजपा की कार्य पद्धति में जो परिवर्तन दिख रहे हैं वे कुछ आशंकाओं को सिद्ध तो करते हैं। वैसे तो पिछले लगभग आजादी के बाद से ही राज्यों के मुख्यमंत्रियों के चयन में देश के सत्ताधारी दल के केंद्रीय नेतृत्व और प्रधानमंत्री का निर्णयक हस्तक्षेप रहा है। परंतु पिछले 55 वर्षों से यानि 1971 में श्रीमती इंदिरा गांधी के बहुमत से जीत जाने के बाद शहाईकमान्य के नाम से मुख्यमंत्री नामजदगी की परंपरा शुरू हुई और यह बीमारी यहां तक पहुंची कि चुनाव के बाद पार्टियों के विधायक दल चाहे मुख्यमंत्री के पद का चुनाव हो या नेता प्रतिपक्ष का चयन हो, चयन करने के लिये स्वतंत्र नहीं होते तथा एक लाइन का प्रस्ताव पारित करते हैं कि हाईकमान को अधिकार दिया जाता है। यह एक प्रकार से दलों में लोकतांत्रिक प्रणाली का समापन और चरम व्यक्तिवाद और केंद्रीयकरण का उद्भव था। यह चलन कांग्रेस के अलावा क्षेत्रीय पार्टियों में भी रहा क्योंकि क्षेत्रीय पार्टियों के राज्य



प्रमुख जो होते हैं वे स्वयंभू सर्वेसर्वा होते हैं। हालांकि भाजपा में यह चलन एकदम उस रूप में शुरू नहीं हुआ था जिस रूप में कांग्रेस में आया था। और वहाँ एक स्तर पर विधायकों की राय को भी जाना जाता था, जो संघ के लोग संगठन मंत्री होते थे वे भी अधोस्थित रायशुमारी विधायकों में करते थे और इन सब सूचनाओं के आधार पर केंद्रीय नेतृत्व मुख्यमंत्री के पद का चयन करता था। परंतु इन तीन राज्यों के चुनाव में अप्रत्याशित और विशाल बहुमत की जीत ने भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व और विशेषतरू प्रधानमंत्री को एक छत्र शक्तिशाली बना दिया है। तथा केंद्रीयकरण का चरम रूप देखने को मिल रहा है। इन तीनों राज्यों में मुख्यमंत्रियों की नामजदगियाँ बैगर किसी रायशुमारी के सीधे केंद्रीय नेतृत्व ने की है और लोकतांत्रिक प्रक्रिया को दिखाने का प्रयास भी नहीं किया। विधायक दलों की बैठक में जो केंद्रीय पर्यवेक्षक भेजे गये उन्होंने विधायकों को एक पर्ची दिखाकर बता दिया कि यह केंद्र का निर्णय है और विधायकों ने बिना चूँ-चपड़ के पर्ची के आदेश को शिरोधार्य किया। पर्ची से मुख्यमंत्री के जन्म की यह नई परिपाटी जो भाजपा में शुरू हुई है यह लोकतांत्रिक तो नहीं ही है इसके साथ ही एक खतरनाक केंद्रीयकरण की भी शुरूआत है। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के सर संचालक और उनकी टीम की क्या

भूमिका है मैं नहीं जानता, परंतु इसके पहले तक विधायक दलों के चुनाव में जो भूमिका संगठन मर्जियों के माध्यम से संघ की सुनने या जानकारी में आती थी वह इस बार नहीं लग रही है। हालांकि संघ का शिक्षण व संस्कार भी एक अंधानुकरण का है, याने जिस प्रकार एक गड़िया समूचे भेड़ों के समूह को हाँकता है औने वे उसका आदेश मानकर चलती हैं वही अनुशासन कर्ता परिपाटी संघ की रही है। एक राजनैतिक दल के रूप में जनसंघ व भाजपा इस परिपाटी से अभी तक कम से कम दिखावे में मुक्त थी परंतु अब वह दिखावे का हिस्सा भी भाजपा ने छोड़ दिया। हालांकि इसका एक अच्छा भी परिणाम हुआ है कि लंबे समय तक मुख्यमंत्रियों के पदों पर बैठे रहे जो अपना गुट या समर्थकों अथवा कृपा वालों का गुट बनाकर स्थाई जैसे हो गये थे, उनके हाथ से सत्ता छिन गई। निरंतर औने स्थाई सत्ता, जड़ता और तानाशाही पैदा करती है इसलिये सत्ताधारी राजनैतिक दलों में भी परिवर्तन होना चाहिए। मेरी राय में तो हर 5 सालों में नेतृत्व में सत्ता के व संगठन के दोनों में परिवर्तन होना चाहिए। दलों के सत्ता और संगठन के नेतृत्व में परिवर्तन होते रहने से नया नेतृत्व उभरेगा तथा परिवर्वाद भी कम होगा यह लोकतंत्र के लिये भी शुभ है और नये नेतृत्व के लिये उभरने के लिए आवश्यक है। जिस प्रकार पुरान

वृक्ष जिसको जड़ मजबूत हा जाती है, वह सारा रस खींच लेता है और अपने नीचे आस-पास किसी नये पौधे को नहीं पनपने देता वही स्थिति राजनीति की भी होती है। एक जो दूसरा चिंताजनक पहलू है वह भी विचारणीय है। इन विधानसभा के चुनाव में और चुनाव के बाद पार्टी और सरकार के कार्यक्रम के नाम पर एक नया जुमला शुरू हुआ है, वह है मोदी गारंटी। विधानसभा चुनाव में स्वतंत्र प्रधानमंत्री ने मोदी गारंटी का सभाओं में उल्लेख किया। यह कहते हुये कि मोदी गारंटी मतलब उसका क्रियान्वयन होना निश्चित है। इस कथन का एक अर्थ यह हुआ कि जो वायदे सूबाई सरकार के मुखिया कर रहे थे उनके क्रियान्वयन की गारंटी नहीं थी बस केवल प्रधानमंत्री जी के वायदे के क्रियान्वयन की गारंटी है तथा विधानसभा चुनाव की जीत के बाद भी यही कहा गया कि जीत का कारण केवल मोदी गारंटी है। याने देश की जनता का विश्वास एक मात्र केवल मोदी जी पर ही है और अब भाजपा शासित सभी राज्यों पर हर विज्ञापन में सिर्फ दो ही चित्र दिखते हैं ऊपर प्रधानमंत्री का, नीचे मुख्यमंत्री का। इतना ही नहीं राज्यों में हो रहे छोटे बड़े हर काम का लोकार्पण, विमोचन, शिलान्यास और शुरुआत प्रधानमंत्री जी या तो सशरीर उपस्थित होकर या फिर वर्चुअली याने वीडियो कांफेंस से कर रहे हैं और उनके हर कार्यक्रम और भाषण को राज्यों में मत्रियों, मुख्यमंत्री, सांसदों, विधायकों और पदाधिकारियों को सुनना और देखना अपरिहार्य है। प्रधानमंत्री का कार्यक्रम कहने को सरकारी होता है, खर्च और व्यवस्था पूर्णतरूप सरकारी होती है परंतु वह पूर्णरूपेण दलीय कार्यक्रम होता है। प्रधानमंत्री जी के कार्यक्रम के नाम पर इन आयोजनों में सभी बड़े-छोटे नौकरशाह और कर्मचारी भी शामिल होते हैं यह एक प्रकार से नौकरशाही का दलीयकरण है और दलों का नौकरशाहीकरण है। भारतीय संविधान ने देश के प्रशासन तंत्र को याने नौकरशाही को दलीय राजनीति से मुक्त रखा है। हमारे देश में इन्डपेंडेंट ब्यूरोक्रेसी है। कमिटेड ब्यूरोक्रेसी नहीं है।

लोकसभा चुनाव, राजग तैयार, इंडिया गठबंधन में रार

अशोक उपाध्याय,  
पूर्व संपादक, यूनीवर्टा

हिमालयी क्षेत्रों में रेलवे, बांध, जल संबंधी परियोजनाओं चाप-लैन की गतिशीलता से जटी सभी दांतगत विधान परियोजनाएँ

चर-लन का राजमार्ग से जुड़ा सभा ढाचागत विशाल पारयोजनाओं पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने की केंद्र सरकार से मांग की गई है। 'पीपुल्स फॉर हिमालय' अभियान का संयुक्त रूप से नेतृत्व कर रहे संगठनों ने शनिवार को एक ऑनलाइन संवाददाता सम्मेलन में लोक सभा चुनाव के लिए राजनीतिक दलों के लिए पांच सूत्री एक मांग पत्र पेश किया। इस परियोजनाओं से हिमालय जैसे बनिस्बत कच्चे या कहें कि युवा पहाड़ के पर्यावरण और पारिस्थितिकी तंत्र को नुकसान से चिरित संगठनों का कहना है कि इन परियोजनाओं की बहुआयामी समीक्षा किया जान जरूरी हो गया है। इसलिए कि इनके क्रियान्वयन के क्रम में उद्योगपति पहाड़ की घटियों और चोटियों का खुला और मनमाफिक दोहन कर रहे हैं, और इस कारण आने वाली आपदाओं का दंश स्थानीय लोगों को सहना पड़ रहा है। कहीं सुरंग बैठ जाती है, तो कहीं शहर का शहर जमींदोज होने की कगार पर है। जलवायु कार्यकर्ताओं में इस बात को लेकर नाराजगी है कि बड़ी परियोजनाओं के जरिए 'विकास' के इन तौर-तरीकों से स्थानीय लोग प्रभावित होते हैं। जरूरी है कि परियोजना शुरू करने से पूर्व उन्हें विश्वास में लिया जाए। जनमत संग्रह और विचार-विमर्श करके ही किसी सर्वमान्य निर्णय पर पहुंचा जाए कानून अनिवार्य हो कि परियोजना शुरू करने से पहले इनके परिस्थितिकीय नुकसान के आकलन में जनभागीदारी भी होगी। अर्थात् हो यह रहा है कि प्रोजेक्ट से प्रभावितों के पुनर्वास के लिए करदाताओं के धन का इस्तेमाल किया जाता है, और पहाड़ों की चोटियों और घटियों का शोषण करने वाले उद्यमियों की कोई जवाबदेही नहीं होती वे लाभ कमाकर निकल चुके होते हैं, और परिस्थितिकीय व पर्यावरणीय क्षति से स्थानीय आबादी हलकान और परेशान होती है चरवाहे, भूमिहीन, दलित, जनजातियां और महिलाएं नीतिगत खामियों के चलते दरपेश आपदाओं और जलवायु संकट से सर्वाधिक त्रस्त होती हैं, जबकि उनका आफत को न्योता देने वाले मानव-निर्मित कारकों में योगदान नहीं होता। जलवायु कार्यकर्ताओं ने ब्रह्मपुर नदी तथा उसके बेसिन में प्रस्तावित पनबिजली विकास परियोजनाओं के प्रति भी आगामी किया है। जरूरी है कि जनभावना को 'विकास के ज्वर' से ग्रस्त न होने दिया जाए।

## शहबाज शरीफ पर मेहरबान बाइडन

An illustration of two female sprinters in mid-stride on a running track. The runner on the left wears a red top and blue shorts, while the runner on the right wears a yellow top and blue shorts. A finish line flag is visible in the background.

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने अपने कार्यकाल की समाप्ति के पहले पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ को एक पत्र लिखा है जिसके बहुत दूरगामी परिणाम होंगे। आमतौर पर यह होता है कि दो देशों के नेताओं के बीच टेलीफोन पर बात होती है। बाइडन ने यह पत्र लिखकर भारत सहित अन्य क्षेत्रीय देशों को यह संदेश दिया है कि अमेरिका और पाकिस्तान के बीच नजदीकी रिश्तों का नया दौर शुरू हो रहा है। यह भी गौर करने वाली बात है कि इस पत्र को इस्लामाबाद स्थित अमेरिकी दूतावास ने सार्वजनिक किया है। पत्र में सबसे महत्वपूर्ण बातयंह है कि बकौल बाइडन अमेरिका और पाकिस्तान क्षेत्रीय और विश्व मामलों पर 'राजनीतिक सहयोग' जारी रखेंगे। यह शब्दावली भारत के लिए चिंता का विषय बन सकती है। यह सब उस समय हो रहा है जब आम चुनाव के पहले अमेरिका भारत को लोकतंत्र का उपदेश दे रहा है। अमेरिका के रणनीतिक लक्ष्य साफ हैं। वह पाकिस्तान में चीन को बेदखल करना चाहता है तथा ईरान के खिलाफ उसे खड़ा करना चाहता है। यह भी स्पष्ट है कि इमरान खान को सत्ता से हटाने में अमेरिका ने बड़ी भूमिका निभाई है। इमरान की पार्टी के नेताओं के अनुसार अमेरिका शहबाज शरीफ की सरकार को कठपुतली की तरह इस्तेमाल करना चाहता है। अपनी सारी राजनीतिक नादानियां के बावजूद इमरान खान ने पाकिस्तान में स्वतंत्र विदेश नीति पर अमल करने की कोशिश की थी। इसी सिलसिले में वह रूस की यात्रा पर भी गए थे। यही उनकी राजनीतिक पतन का एक कारण बनी। राजनीतिक उथल-पुथल के दौर में पाकिस्तान के सेनाध्यक्ष आसिम मुनीर और खुफिया एजेंसी आईएसआई प्रमुख ने वाशिंगटन में अमेरिकी अधिकारियों से बातचीत की थी। सहज अनुमान लगाया जा सकता है कि इसी दौरान पाकिस्तान के भावी राजनीतिक परिदृश्य का लेखा-जोखा लिया होगा। पिछले कुछ दिनों के दौरान पाकिस्तान में चीन के आर्थिक हितों पर हमले हुए हैं जिनमें इसके प्रशिक्षितकर्मी मारे गए हैं। इसके साथ ही अमेरिका की ओर से यह भी स्पष्ट किया गया है कि वह ईरान-पाकिस्तान-तेल गैस पाइपलाइन के पक्ष में नहीं है। अपनी खस्ता आर्थिक हालात से उबरने के लिए पाकिस्तान को आईएमएफ और वर्ल्ड बैंक से कर्ज की दरकार है। अमेरिका के प्रभाव वाली ये वित्तीय संस्थाएं पाकिस्तान को तभी कर्ज देंगी।

यहाँ नानान उत्तराधिकारी का पारने का हो सकता है तो पिर मैदान के लिए दुर्लभ समतल जगह को क्यों बरबाद कर रहे हो। हर शिक्षा संस्थान को अपना खेल मैदान चाहिए। नए खेल मैदानों का निर्माण व पुरानों का संरक्षण जरूरी है केंद्रीय खेल मंत्रालय का भारतीय खेल प्राधिकरण अन्य राज्यों के साथ-साथ हिमाचल प्रदेश में भी युवा सेवाएं एवं खेल मैदानों को बनाने व पुराने मैदानों के रखरखाव के लिए जारी करता है, मगर हकीकत में इस धन राशि की खूब बंदरबांट होती है। दो वर्ष पहले अकेले मंडी जिले में लगभग चार दर्जन खेल मैदानों के लिए धन आबंटित किया था मगर सब जगह गोलमाल ही किया हुआ है, कहीं पर भी खेल मैदान तैयार नहीं हुआ है, जो खेलने की समतल जगह थी वह भी बरबाद कर दी है। यही हाल अन्य जिलों का भी है। सरकार इस बंदरबांट पर कब अंकुश लगाएगी। शिक्षा का अर्थ मानव के नेताओं के अनुसार अमेरिका शहबाज शरीफ की सरकार को कठपुतली की तरह इस्तेमाल करना चाहता है। अपनी सारी राजनीतिक नादानियां के बावजूद इमरान खान ने पाकिस्तान में स्वतंत्र विदेश नीति पर अमल करने की कोशिश की थी। इसी सिलसिले में वह रूस की यात्रा पर भी गए थे। यही उनकी राजनीतिक पतन का एक कारण बनी। राजनीतिक उथल-पुथल के दौर में पाकिस्तान के सेनाध्यक्ष आसिम मुनीर और खुफिया एजेंसी आईएसआई प्रमुख ने वाशिंगटन में अमेरिकी अधिकारियों से बातचीत की थी। सहज अनुमान लगाया जा सकता है कि वह किस स्तर का है। बिना खेल मैदानों के शिक्षा संस्थान की कल्पना भी बेमानी है। मंजिल चाहे खेलों की हो या पिटनेस व पार्क का काम करती है। इस क्षेत्र में वालीबॉल व कबड्डी की प्लेपैल्ड होना भी बड़ी बात है। यहाँ पर पहले ढागावाणी विद्यालय के मैदान में जल शक्ति विभाग ने पम्पहाऊस बना दिया और अब टिहरा विद्यालय के मैदान में विज्ञान प्रयोगशाला। दूसरी तरफ इसी क्षेत्र के चारथला, कांगो का गहरा व कमलाह स्कूल के मैदानों के लिए लाखों रुपए दिए हैं, मगर वहाँ भी सब आधा

उत्तराधिकारी का पारने का हो सकता है तो पिर मैदान के लिए दुर्लभ समतल जगह को क्यों बरबाद कर रहे हो। हर शिक्षा संस्थान खोलने के लिए तो मैदान की अनिवार्य शर्त रखता है, मगर अपने सरकारी संस्थानों के मैदानों में भवन व पार्किंग बना कर अपने ही नियमों को ठेंगा दिखा रहा है। अभी भी समय है हिमाचल प्रदेश की जनता व सरकार दोनों को विद्यार्थी जीवन में फिटनेस कार्यक्रम के महत्व को समझना होगा, नहीं तो भविष्य में हमारी आगामी पीढ़ियाँ हमें कभी माफनहीं करेंगी। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आज खेल जगत में बहुत कड़ी प्रतिस्पर्धा हो गई है, इसलिए उत्कृष्ट खेल प्रदेश करने पर भी पोडियम तक पहुंचना सबके बास की बात नहीं है। अंतरराष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं की पदक तालिका में स्थान बनाने के लिए जहाँ विद्यालय स्तर से ही अच्छे ज्ञानवान प्रशिक्षक चाहिए, वहाँ पर प्लेपैल्ड भी बहुत जरूरी है। हिमाचल प्रदेश के खेल मैदानों व अन्य हाल ही के वर्षों में बनी अंतरराष्ट्रीय कार्य में हाथ बंटाता था, पिर कई किलोमीटर चल कर विद्यालय पहुंचता था। उस समय किसी भी फिटनेस कार्यक्रम की जरूरत नहीं थी, मगर आज जब पढ़ाई के लिए घर का काम बंद, पैदल चलने का रिवाज ही नहीं है तथा खेल के नाम पर मोबाइल व कम्प्यूटर है तो पिर फिटनेस के लिए खेल मैदान तो अनिवार्य हो जाता है, नहीं तो पिर हमारी संतानों कहीं नशे के दलदल में फंस जाएंगी। उस उच्च शिक्षा का क्या अर्थ रह जाता है जिससे आप प्रशासनिक अधिकारी, कर्मचारी, अभियंता, चिकित्सक, प्रबंधक तो बन जाते हैं, मगर आप स्वस्थ रहकर साठ वर्षों तक देश व प्रदेश की सेवा नहीं कर पा रहे हैं। अब तो लोग तीस-चालीस साल की उम्र में जानलेवा बीमारियों का शिकार हो रहे हैं। इस सबके पीछे जिम्मेदार बिना फिटनेस कार्यक्रम की स्कूली शिक्षा है। फिटनेस के इस संवेदनशील विषय पर भी हो सकता है तो पिर मैदान के लिए दुर्लभ समतल जगह को क्यों बरबाद कर रहे हो।



लंबी चौड़ी जगह मिल पाती है। इसलिए हिमाचल प्रदेश के शिक्षा संस्थानों के पास बहुत कम खेल मैदान हैं और जहां हैं भी, उन्हें कभी भवन तो कभी पार्किंग बना कर यूं ही बरबाद किया जा रहा है। हिमाचल प्रदेश के अधिकतर वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों के मैदानों में विज्ञान के लिए लिए प्रयोगशाला भवन तो कभी किसी और के लिए भवन बना कर खत्म कर दिया जा रहा है। मंडी जिला के धर्मपुर उपमंडल की टिहरा उपतहसील के अंतर्गत क्षेत्र में वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय टिहरा के खेल मैदान में विज्ञान के लिए प्रयोगशाला भवन भारी विरोध के बावजूद बना दिया गया। पूरा क्षेत्र अवाहदेवी से लेकर गहीधार तक रिज पर बसा है। चलने के लिए सड़क है, वही खेल मैदान व पार्क का काम करती है। इस क्षेत्र में वालीबाँल व कबड्डी की प्ले फील्ड होना भी बड़ी बात है। यहां पर पहले ढगवाणी विद्यालय के मैदान में जल शक्ति विभाग ने पम्पहाउस बना दिया और अब टिहरा विद्यालय के मैदान में विज्ञान प्रयोगशाला। दूसरी तरफ इसी क्षेत्र के चोरथला, कांगो का गहरा व कमलाह स्कूल के मैदानों के लिए लाखों रुपए दिए हैं, मगर वहां भी सब आधा

अधूरा है। हिमाचल प्रदेश सरकार इस विषय पर ध्यान दे ताकि भविष्य में विद्यार्थियों को किताबी ज्ञान वे साथ-साथ स्वास्थ्य भी मिल सके। एक समय था जब विद्यार्थी सवेरे-साम अपने अभिभावकों के साथ कृति कार्य में हाथ बटाता था, पिर कई किलोमीटर चल कर विद्यालय पहुंचता था। उस समय किसी भी फिटनेस कार्यक्रम की जरूरत नहीं थी, मगर आज जब पढ़ाई वे लिए घर का काम बंद, पैदल चलने का रिवाज ही नहीं है तथा खेल के नाम पर मोबाइल व कम्प्यूटर है तो फिटनेस के लिए खेल मैदान तो अनिवार्य हो जाता है नहीं तो फिर हमारी संतानें कहीं नशे के दलदल में फंस जाएंगी। उस उच्च शिक्षा का क्या अर्थ रह जाता है जिससे आप प्रशासनिक अधिकारी, कर्मचारी अभियंता, चिकित्सक, प्रबंधक तो बन जाते हैं, मगर आप स्वस्थ रहकर साठ वर्षों तक देश व प्रदेश की सेवा नहीं कर पा रहे हैं। अब तो लोग तीस-चालीस साल की उम्र में जानलेवा बीमारियों का शिकार हो रहे हैं इस सबके पीछे जिम्मेदार बिना फिटनेस कार्यक्रम कर्स्कूली शिक्षा है। फिटनेस के इस संवेदनशील विषय पर इस कॉलेज के माध्यम से सरकार व अभिभावकों के

बार-बार सचेत किया जाता रहा है। हिमाचल प्रदेश के अधिकांश विद्यालयों में पढ़ने के लिए कर्मरों तो हैं मगर उनकी फिटनेस के लिए कोई भी कार्यक्रम नहीं है। मैदान होंगे, तभी फिटनेस पर कार्य होगा। हिमाचल प्रदेश का शिक्षा विभाग निजी शिक्षा संस्थान खोलने के लिए तो मैदान की अनिवार्य शर्त रखता है, मगर अपने सरकारी संस्थानों के मैदानों में भवन व पार्किंग बना कर अपने ही नियमों को ठेंगा दिखा रहा है। अभी भी समय है हिमाचल प्रदेश की जनता व सरकार दोनों को विद्यार्थी जीवन में फिटनेस कार्यक्रम के महत्व को समझना होगा, नहीं तो भविष्य में हमारी आगामी पीढ़ियां हमें कभी माफनहीं करेंगी। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आज खेल जगत में बहुत कड़ी प्रतिस्पर्धा हो गई है, इसलिए उत्कृष्ट खेल प्रदर्शन करने पर भी पोडियम तक पहुंचना सबके बस की बात नहीं है। अंतरराष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं की पदक तालिका में स्थान बनाने के लिए जहां विद्यालय स्तर से ही अच्छे ज्ञानवान प्रशिक्षक चाहिए, वहीं पर प्ले फैल्ड भी बहुत जरूरी है। हिमाचल प्रदेश के खेल मैदानों व अन्य हाल ही के वर्षों में बनी अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्ले फैल्ड का रखरखाव भी ठीक ढंग से नहीं हो रहा है। हिमाचल प्रदेश के पास आज से दो दशक पहले तक खेल दौंचे के नाम पर सेकड़ों साल पहले राजा-महाराजाओं द्वारा मैले व उत्सवों के लिए बनाए गए।

उगलत्या पर गण जन वाल कुछ मदान चबा, मडा, अमतर, सुजानपुर, जयसिंहपुर, कुछु अनाडेल, रोहदू सराहन, सोलन, चैल व नाहन में बनाए थे। इन मैदानों पर हिमाचल प्रदेश की खेल गतिविधियां कई दशकों से मेलों व उत्सवों से बचे समय में होती रही हैं। सुजानपुर व जयसिंहपुर के बड़े मैदानों पर तो पहले ही बहुत अतिक्रमण हो चुका है, अब मंडी के पड़ुल मैदान का भी हाल अच्छा नहीं है। सरकारी महाविद्यालय के खेल मैदान में मिट्टी के सैंकड़ों ट्रक डाल कर डॉर्पिंग साईट बना दिया है। भवन निर्माण उत्तर प्रौद्योगिकी के कारण कहीं भी हो सकता है तो फिर मैदान के लिए दुर्लभ समतल जगह को ब्यां बरबाद कर रहे हैं।





## व्यापार समाचार

**भारत देश में नौकरियों में तीन व गिर्ग  
जॉब्स में 184 प्रतिशत की बढ़ोतरी**

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में फरवरी और मार्च में नियुक्तियों में ती प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जबकि सफेदपोश गिग जॉब्स में पिछले साल के मुकाबले 184 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। फार्डिंगट (पूर्व में मॉन्टर एपीएसी और एमई) की रिपोर्ट के अनुसार आईटी सेक्टर गिग बूम में सबसे आगे है। गिग इकॉनमी में आईटी सॉफ्टवेयर की हिस्सेदारी लगभग दोगुनी हो गई है। मार्च 2023 में 22 प्रतिशत के मुकाबले इस साल मार्च में यह बढ़कर 46 प्रतिशत हो गई है। फार्डिंगट के सीईओ शेखर गरिसा ने कहा, दिल्ली, बैंगलुरु और मुंबई जैसे मेट्रो शहर छोटी नौकरियों के लिए मार्ग प्रशस्त कर रहे हैं। हमें उम्मीद है कि कुछ महीनों में गिग इकॉनमी और भी बढ़ेगी। विज्ञापन और विपणन में भी उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई, पिछले वर्ष में गिग जॉब्स की हिस्सेदारी 5 प्रतिशत से बढ़कर 18 प्रतिशत हो गई। आईटी क्षेत्र में फरवरी में सात प्रतिशत की वृद्धि के बाद मार्च में यह दो प्रतिशत रह गई। बैंकिंग/वित्तीय सेवा और बीमा (बीएफएसआई) क्षेत्र में वृद्धि स्थिर रही। रिपोर्ट में कहा गया है कि इंजीनियरिंग, सीमेंट, निर्माण और लोहा/इस्पात ने मार्च में विकास दर स्थिर रही। इसके अलावा, सरकारी, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (पीएसयू) और रक्षा क्षेत्रों में नियुक्तियों में थोड़ी वृद्धि देखी गई।

रियलमी ने 10,999 रुपये के  
शुरुआती मूल्य में एंट्री-लेवल 5G  
किलर, रियलमी 12X5G पेश किया

नई दिल्ली। भारत के सबसे भरोसेमंद स्मार्टफोन सेवा प्रदाता, रियलमी ने आज रियलमी 12× 5जी लॉन्च किया। रियलमी नंबर सीरीज़ का यह नया स्मार्टफोन कंपनी के सफर में एक महत्वपूर्ण पड़ाव है, जो जो इसके 'मेक इट रियल' के सिद्धांत को जीवंत करके युवा आबादी की डायनामिक पसंदों के अनुरूप है। एंटी-लेवल 5जी किलर के रूप में रियलमी 12× 5जी यूज़सें को अद्वितीय अनुभव प्रदान करेगा। यह 45W सुपरवूक चार्जिंग और 5000 mAh की शक्तिशाली बैटरी के साथ भारत में अपने सेगमेंट का पहला स्मार्टफोन है। इसमें एयर जेस्वर कंट्रोल अपने सेगमेंट में पहली बार दिया गया है। इस स्मार्टफोन में अपने सेगमेंट में 120 II5 के सर्वाधिक रिफ्रेश रेट और 800 निट्स की ब्राइटनेस के साथ सेगमेंट का सबसे ब्राइट डिस्प्ले है। इसमें मीडियाटेक डायमेंसिटी 6100+ 5G चिपसेट लगा है और अपने सेगमेंट का पहला वेपर चैंबर कूलिंग सिस्टम भी दिया गया है। यह फैशन से प्रेरित डिज़ाइन के साथ 7.69 मिमी पतली सुपर रिलाम बॉडी के साथ आता है। इसमें 50MP के AI कैमरा, 2MP के सेकंडरी कैमरा और 8MP के सेल्पी कैमरा के साथ एक शानदार कैमरा सेटअप है। इसके अलावा इसमें IP54 डस्ट एवं वॉटर रजिस्टेंस, ड्युअल स्टीरियो स्पीकर और 128GB की विशाल स्टोरेज क्षमता के साथ 8GB+8GB की डायनामिक रैम जैसी अन्य फ्लैगशिप विशेषताएं भी शामिल हैं। सेगमेंट का मतलब समान मूल्य सीमा के अन्य स्मार्टफोन्स से है।

सैमसंग ने एआई क्षमताओं से सुसज्जित और एडवांस्ड कनेक्टिविटी वाले बेस्पोक घरेलू उपकरणों की पूरी सीरीज का खुलासा किया

मुंबई। भारत के सबसे बड़े उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड सैमसंग ने आज बेस्पोक अल्लाएंसेज (उपकरणों) का प्रदर्शन किया। ये उपकरण एआई संचालित हैं, जो कनेक्टेड और पर्यावरण के लिहाज से अनुकूल घरों के भविष्य की आवश्यकताओं को सामने रखते हैं। एआई-संचालित घरेलू उपकरणों के साथ, सैमसंग का लक्ष्य तेजी से बढ़ते प्रीमियम उपकरण बाजार में ग्राहकों की अपेक्षाओं को पूरा करना है। इनबिल्ट वाई-फाई, आंतरिक कैमरे और एआई चिप्स के साथ, बेस्पोक एआई की विशेषता वाले सैमसंग के ये नए उपकरण स्मार्टथिंग्स एप्लिकेशन के माध्यम से आसान पहुंच नियंत्रण के साथ सहजता से कनेक्ट होते हैं और आसानी से घरों का प्रबंधन करने में मदद करते हैं। सैमसंग दाकिण पश्चिम एशिया के अध्यक्ष और सीईओ जेबी पार्क ने कहा, हम बेस्पोक एआई पेश कर रहे हैं, जो घरेलू उपकरणों में हमारा अगला बड़ा इनोवेशन है। यह भारतीय घरों के लिए बहेतर जीवन सुनिश्चित करते हुए ऊर्जा की खपत को कम करेगा, जो हमारे ग्रह को हरा भरा बनाने में योगदान देगा। हमारे बेस्पोक एआई-संचालित घरेलू उपकरणों के साथ, उपभोक्ता अपनी पसंद के मुताबिक बदलाव करने, बुजुर्गों और बच्चों के लिए आसान कंट्रोल सुनिश्चित करने और अपने घरेलू उपकरणों की आसान जांच में सक्षम होंगे। एआई की बदलाव लाने वाली ताकत के साथ, हमें विश्वास है कि बेस्पोक एआई भारत में डिजिटल उपकरणों के बाजार में हमारे नेतृत्व को और अधिक मजबूती देगा। एआई इन उपकरणों को लंबे समय तक चलने में मददगार बनाने और स्थिरता को बढ़ाने में भी मदद करता है। जब उनके रेफ्रिजरेटर को पानी फिल्टर बदलने की आवश्यकता होती है या एयर कंडीशनर को फिल्टर बदलने की आवश्यकता होती है तो यूजर्स को स्मार्टथिंग्स एप के माध्यम से सूचित किया जाता है। एआई की शुरूआत के साथ, सैमसंग का लक्ष्य इन उपकरणों को प्रबंधित करने में ज्ञाने वाले ग्राहकों का काम करना है।

## सेल का इस्पात उत्पादन 2023-24 में बढ़कर रिकॉर्ड 184 लाख टन पर पहुंचा



**नंबर चार पर चमके स्थियान ने कहा  
घरेलू क्रिकेट में मेरा यही रोल है**

मुंबई(एजेंसी)। राजस्थान रॉयल्स के बल्लेबाज रियान पराग, जिन्होंने वानखेड़े स्टेडियम में मुंबई इंडियंस के खिलाफ 39 गेंदों में नाबाद 54 रनों की पारी खेलकर अपनी टीम को जीत दिलाई, ने कहा कि वह बस अपने घरेलू प्रदर्शन की नकल कर रहे हैं। आईपीएल 2024 में राजस्थान रॉयल्स के बल्लेबाज रियान पराग शानदार फॉर्म में नजर आए हैं। पिछले दो मैचों में उन्होंने लगातार अर्धशतक जड़े, जिनमें 45 गेंद में 84 रन और 39 गेंदों पर नाबाद 54 रन शामिल हैं। इससे पहले रियान सीजन के पहले मैच में 29 गेंदों पर 43 रन बनाए थे। सोमवार को मुंबई के खिलाफ रियान की जुझारू पारी के बदौलत राजस्थान ने 27 गेंद शेरे रहते हुए मुंबई को 6 विकेट से हराया। युजवेंद्र चहल और ट्रेंट बोले ने अपने चार ओवरों में क्रमशः 3/1 और 3/22 गेंद लेकर मुंबई इंडियंस को 125/9 के छोटे टोटल पर रोका दिया। जबाब में, आरआर ने यशस्वी जायसवाल का विकेट सस्ते में गंवा दिया। फिर संजू सैमसन और जो

बटलर भी सस्ते में पवेलियन लौट गए। इसके बाद पराग ने नावाद 54 रन बनाकर लक्ष्य का पीछा किया। उन्होंने अपनी पारी में पांच चौके और तीन छक्के लगाए। मैच के बाद अपने प्रदर्शन के बारे में बात करते हुए बैटिंग ऑलराउंडर रियान ने कहा, असल में मैंने बहुत सी चीजें करने की कोशिश करने के बजाय हर चीज को सरल बनाया है। पहले जब मैं रन नहीं बना रहा था, तो मैं इसके बारे में बहुत ज्यादा सोचता था लेकिन अब मैं सिर्फ अपने खेल पर ध्यान देता हूं, जिसका मुझे लाभ मिल रहा है। पराग को पहले रॉयल्स द्वारा फिनिशर के रूप में जाना जाता था, मगर अब उन्हें ब्लेबाजी ऋम में चौथे नंबर पर प्रमोट किया गया है। यह स्थिति 22 वर्षीय खिलाड़ी के लिए नई नहीं है, क्योंकि उन्होंने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में इस नंबर पर शानदार प्रदर्शन किया था, जहां उन्होंने 85 के औसत के साथ 510 रनों की प्रभावशाली संख्या के साथ रन-स्कोरिंग चार्ट पर अपना दबदबा बनाया था।

13 साल पहले, मेरा बचपन का सपना वोजिन्याकी, अनिसिमोवा जीतीं ; वॉलिनेट्स हकीकत में बदल गया : सचिन ने 2024 का सबसे लंबा मैच जीता



रिका) एजेंसी)। पूर्व विश्व 1 और 2018 ऑस्ट्रेलियन ओपन में याकी ने चार्ल्सटन ओपन में वापसी करते हुए लक्ष्य अमेरिका की मेकार्टनी ग्राह को केवल 61 मिनट में 6-1 से हरा दिया। याकी की 2019 में

में विफल रही, कलिनिना टूर-स्टर पर चौथी सबसे लम्बी जीत 5-7, 7-5, 6-4 से हासिल करने में सफल रही। इस बीच, संयुक्त राज्य अमेरिका की अमांडा अनिसिमोवा दूसरे दौर में वोज्नियाकी से जुड़ गई। पूर्व चार्ल्सटन सेमीफाइनलिस्टों के बीच हुए मुकाबले में अनिसिमोवा ने सोमवार को फ्रांस की एलिजे टे 25 मिनट में 6-3, 6-0 से हराया। अब दूसरे दौर में अपनी साथी नंबर 1 वरियता प्राप्त जेसिका पेगुला द में शाम को, 22 वर्षीय अमेरिकी ट्रियॉ वॉलिनेट्स ने नीदरलैण्ड की 54वीं राटेंक्सा रस को 6-2, 6-7(6-8), 6-4 हराने से पहले दो मैच प्वाइंट घटे और 43 मिनट की अवधि के नया सबसे लंबा डब्ल्यूटीए टूर मैच

**आरबीआई की बहुमूल्य नीलामी पद्धति के जरिए  
38,000 करोड़ रुपये के बॉन्ड बेचेगी सरकार**



The image consists of two parts. On the left, the official seal of the Reserve Bank of India is displayed, featuring a central white panther standing on a stylized tree, set against a dark background with the bank's name in both English and Hindi. On the right, a person wearing a yellow uniform and cap is seen from the side, looking towards the seal.

## **दिनेश चांडीमल ने पारिवारिक जरूरत के कारण बांग्लादेश के खिलाफ दूसरा टेस्ट छोड़ा**



A portrait of a smiling man with dark hair and a beard, wearing a dark blue shirt. He is standing in front of a yellow and white background.

ओला इलेक्ट्रिक ने मार्च में 53,000 से ज्यादा यूनिट्स का ऑल-टाइमहाई रजिस्ट्रेशन दर्ज किया; वित वर्ष 23 की तुलना में रिकॉर्ड 115 प्रतिशत गढ़ि के साथ वित वर्ष 24 समाप्त हआ



रजिस्टर्ड थीं। मार्च में अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन के साथ, कंपनी ने महीने के दौरान अपने अग्रणी मार्केट शेयर को बनाए रखा और पिछली तिमाही में 84,133 यूनिट्स की तुलना में क्यू4 वित्त वर्ष 24 के दौरान पंजीकृत 119,310 यूनिट्स के साथ 42 प्रतिशत क्रार्टरली वृद्धि दर्ज की औला इलेक्ट्रिक टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड के चीफ मार्केटिंग ऑफिसर, अंशुल खण्डेलवाल ने कहा: «हृष्टहस्त, मार्च में रजिस्ट्रेशन के 53,000 मार्क को पार करने के साथ साथ वित्त वर्ष 24 का अंत इससे बेहतर नहीं हो सकता था। पिछला वर्ष हमारे साथ-साथ ईवी इंडस्ट्री के लिए भी महत्वपूर्ण रहा है, और हम वॉल्यूम वर्मार्केट शेयर दोनों में लगातार वृद्धि दर्ज करते हुए पूरे वित्तीय वर्ष में मार्केट लीडर रहे हैं। हमने अकेले क्यू4 वित्त वर्ष 24 में लगभग 1.20 लाख रजिस्ट्रेशन्स दर्ज किए हैं, जो हमारे मजबूत स्कूटर पोर्टफोलियो को दर्शाता है, और हमारा लक्ष्य विकास पथ की ओर बढ़ावा व भारत की इलेक्ट्रिफ़िकेशन जर्नी में और योगदान रखना है।

टोयोटा किलोस्कर मोटर ने बिल्कुल नया अर्बन कूजर टैसर लॉन्च किया: नई एसयवी से अपना गास्ता बनाएं

मुंबई (एजेंसी)। टोयोटा किलोस्कर मोटर (टीकैएम) ने ऑल-न्यू टोयोटा अर्बन क्रूजर टैसर लॉन्च किया, जो भारत में इसकी मजबूत और बहुमुखी एसयूवी श्रृंखला में नया शामिल हुआ गतिशील और मजबूत वाहन है। ए-एसयूवी सेगमेंट में कंपनी के पुनः प्रवेश को चिह्नित करते हुए, ऑल-न्यू टोयोटा अर्बन क्रूजर टैसर आधुनिक स्टाइलिंग, अत्यधिक सुविधाओं और उत्तम प्रौद्योगिकीयों से प्राप्त प्रतिष्ठा की भावना प्रदान करने के लिए तैयार है। यह इसे भारतीय ग्राहकों के लिए एक आदर्श विकल्प भी बनाता है। नया उत्पाद एसयूवी श्रेणी में कंपनी की मजबूत उपस्थिति को और मजबूत करता है। ऑल-न्यू अर्बन क्रूजर टैसर 1.0 लीटर टर्बो, 1.2 लीटर पेट्रोल और ई-सीएनजी विकल्पों में उपलब्ध है। 1.0 लीटर टर्बो 5 स्पीड मैनुअल ट्रांसमिशन और 6 स्पीड ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन में उपलब्ध है, इस प्रकार यह उन ग्राहकों के लिए एक बहुमुखी विकल्प प्रदान करता है जो पावर और प्रदर्शन दोनों को प्राथमिकता देते हैं। यह 1.2 लीटर पेट्रोल 5 स्पीड मैनुअल ट्रांसमिशन और इटीलिंजेंट गियर शिफ्ट (आईजीएस) में आता है।

और 1.2 लीटर ई-सीएनजी 5 स्पीड मैनुअल ट्रांसमिशन में भी उपलब्ध है। ऑल-न्यू अर्बन क्रूजर टैसर 1.0 लीटर टर्बो विकल्प में 5500 आरपीएम पर 100.06 पीएस की अधिकतम शक्ति प्रदान करता है, जो मैनुअल के लिए 21.5\* किमी/लीटर और ऑटोमैटिक (स्वचालित) के लिए 20.0\* किमी/लीटर की सेगमेंट की सर्वश्रेष्ठ ईंधन दक्षता के साथ पावर पैकड ड्राइविंग अनुभव प्रदान करता है। 1.2 लीटर पेट्रोल इंजन 21.7\* मैनुअल और 22.8(एप्मटी) किमी/लीटर की ईंधन दक्षता के साथ 6000 आरपीएम पर 89.73 पीएस की अधिकतम शक्ति प्रदान करता है। ऑल-न्यू अर्बन क्रूजर टैसर ई-सीएनजी विकल्प में भी उपलब्ध है जो 28.5\* किमी/किग्रा की ईंधन दक्षता प्रदान करता है। लोकार्पण के इस कार्यक्रम में उपस्थित टोयोटा किलोस्कर मोटर के एमडी और सीईओ तथा टोयोटा मोटर कॉर्पोरेशन (टीएमसी) के क्षेत्रीय सीईओ श्री मसाकाजु योशिमुरा ने कहा, उत्पाद पेशकश और उत्तम तकनीक दोनों के मामले में भारतीय बाजार हमारे लिए हमेशा सबसे महत्वपूर्ण रहा है।

